शहरी समाचार

नई सोच नई पहल

नगरीय प्रशासन निदेशालय, नगर विकास एवं आवास विभाग, झारखंड सरकार का प्रकाशन

नवंबर, 2021 | मासिक | 13वाँ अंक | नगरीय बुलेटिन | पृष्ठ :12 | मूल्यः निःशुल्क

15,148
स्वयं सहायता समूहों (SHGs) का गठन

79,726
PMAY(U) आवासों का निर्माण पूर्ण

25,356
पीएम स्वनिधि ऋण वितरित

38,606
मुख्यमंत्री श्रमिक योजना (MSY) जॉब कार्ड वितरित

'शहरी समृद्धि उत्सव 2021' के तहत राजधानी में लगी प्रदर्शनी, मडुआ का मोमो और केक आकर्षण का केंद्र रहा

'आजादी का अमृत महोत्सव' के तहत राज्य भर के नगर निकायों में हुए विविध कार्यक्रम

'सोनचिरैया ब्रांड' के उत्पादन ने बाजार में दी दस्तक

इस अंक में

'शहरी समृद्धि उत्सव 2021' के तहत राजधानी में लगी प्रदर्शनी, मड़ुआ का मोमो और केक आकर्षण का केंद्र रहा

'आजादी का अमृत महोत्सव' के तहत राज्य भर के नगर निकायों में हुए विविध कार्यक्रम

लखनऊ में आयोजित आजादी@75 समारोह में भी 'सोनचिरैया गुजिया' की महक

PMAY(U) योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए एक और सार्थक कदम

श्रमिकों के लिए वरदान साबित हो रही मुख्यमंत्री श्रमिक योजना

PMAY(U) ने जीवन को किया आसान, बढ़ाया मान-सम्मान

योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने के लिए उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल का भ्रमण

दुकानदारी ठप होने से हो गए थे बेसहारा, पीएम स्वनिधि ने दिया जीने का सहारा

पक्का मकान मिलने से धर्म बाउरी के चेहरे पर भी आई मुस्कान

'सोनचिरैया ब्रांड' के उत्पादन ने बाजार में दी दस्तक

शहर की साफ-सफाई में मिल रहा है साथ, महिला समूहों ने बढ़ाया अपना हाथ

प्रमुख औद्योगिक शहर के रूप में मशहूर : आदित्यपुर नगर निगम

संदेश

नगरीय प्रशासन निदेशालय के "शहरी समाचार" का नवीन अंक निदेशालय के न्यूज लेटर की श्रृंखला का 13वां अंक है। इस न्यूज लेटर के माध्यम से हमने विगत वर्ष 2020 से अनवरत राज्य के सभी स्थानीय निकायों से जुड़ी छोटी-बड़ी गतिविधियों को समाहित करने का प्रयास किया है। "शहरी समाचार" का आगाज कोरोना महामारी के संक्रमण के दौरान ही शुरू हुआ था। वर्तमान में भी पूरी मानव जाति इस वैश्विक महामारी से पूरी तरह निजात नहीं पा सकी है। मगर इसके बावजूद नगरीय प्रशासन निदेशालय अपने सभी स्थानीय निकायों के साथ मिलकर अपनी मुख्य भूमिका व दायित्वों को पूर्ण करने के साथ-साथ कोरोना महामारी से निपटने के लिए भी संबंधित प्रबंधन का कार्य भी कर रहा है। कोरोना महामारी की त्रासदी से उत्पन्न कई विपरीत परिस्थितियों के बावजूद विगत अक्तूबर माह निदेशालय व राज्य के सभी नगर निकायों के लिए उपलब्धियों की अवधि साबित हुआ है। "शहरी समाचार" के नवंबर, 2021 के अंक में हमने राज्य के सभी स्थानीय निकायों की प्रमुख गतिविधियां–'शहरी समृद्धि उत्सव 2021' के तहत राजधानी में प्रदर्शनी, मड़ुआ का मोमो और केक आकर्षण का केंद्र रहा, 'आजादी का अमृत महोत्सव' के तहत राज्य भर के नगर निकायों में हुए विविध कार्यक्रम, लखनऊ में आयोजित आजादी@75 समारोह में भी 'सोनचिरैया गुजिया' की महक, PMAY (U) योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए एक और सार्थक कदम, श्रमिकों के लिए वरदान साबित हो रही मुख्यमंत्री श्रमिक योजना, PMAY (U) ने जीवन को किया आसान, बढ़ाया मान-सम्मान, योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने के लिए उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल का भ्रमण, दुकानदारी ठप होने से हो गए थे बेसहारा, पीएम स्वनिधि ने दिया जीने का सहारा, पक्का मकान मिलने से धर्म बाउरी के चेहरे पर भी आई मुस्कान, 'सोनचिरैया ब्रांड' के उत्पादन ने बाजार में दी दस्तक, शहर की साफ-सफाई में मिल रहा है साथ, महिला समूहों ने बढ़ाया अपना हाथ, प्रमुख औद्योगिक शहर के रूप में मशहूर : आदित्यपुर नगर निगम से संबंधित अन्य गतिविधियों को समाहित किया है। वर्तमान में शरद ऋतु की शुरुआत होने के साथ-साथ कई पर्व-त्यौहार भी शुरू हो गए हैं। इसके साथ ही विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन की चुनौतियों में बढ़ोतरी होने की प्रबल संभावना है, लेकिन ठंड के इस मौसम के साथ-साथ कम होती गर्मी व खुशनुमा होता मौसम हम सभी में नई ऊर्जा व नए उत्साह का अहसास भी करा रहा है। इस अवधारणा के साथ मैं अपनी सभी सहयोगी संस्थाओं को अपनी जिम्मेवारियों का निर्वहन पूरी निष्ठा के साथ करने की अपील करती हूं। साथ ही आशा करती हूं कि "शहरी समाचार" का यह अंक हम सभी के लिए प्रेरणादायक व लाभकारी साबित होगा।

विजया जाधव
निदेशक,
नगरीय प्रशासन निदेशालय।

'शहरी समृद्धि उत्सव 2021' के तहत राजधानी में लगी प्रदर्शनी, मड़ुआ का मोमो और केक आकर्षण का केंद्र रहा

दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय आजीविका आजीविका मिशन (डे-एनयूएलएम) अंतर्गत 'शहरी समृद्धि उत्सव 2021' के तहत दिनांक 01.10.2021 को राजधानी राँची स्थित नगरीय प्रशासन निदेशालय (डीएमए) के कार्यालय परिसर में राज्यभर की विभिन्न नगर निकायों की स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा निर्मित सामग्रियों की प्रदर्शनी लगाई गई।

प्रदर्शनी में विभिन्न नगर निकायों द्वारा प्रदर्शित वस्तुएं।

प्रदर्शनी में कागज के फैंसी ईयर रिंग्स, मड़ुआ आटा, कुरथी आटा, सोहराई पेंटिंग, मड़ुआ लड्डू एवं पारंपरिक रागी (मड़ुआ) के उत्पाद शामिल थे।

इस प्रदर्शनी में रहनुमा स्वयं सहायता समूह, मेहंदी स्वयं सहायता समूह, प्रगति स्वयं सहायता समूह, लक्ष्मी स्वयं सहायता समूह, शिव शक्ति स्वयं सहायता समूह (सिमडेगा), नारी स्वयं सहायता समूह (गुमला) की महिलाओं का दिल्ली में आयोजित होने वाले मुख्य कार्यक्रम के लिए चयन हुआ। प्रदर्शनी में कागज के फैंसी ईयर रिंग्स, मड़ुआ आटा, कुरथी आटा, सोहराई पेंटिंग, मड़ुआ लड्डू एवं पारंपरिक रागी (मड़ुआ) उत्पाद ने प्रदर्शनी में आए लोगों को अपनी ओर आकर्षित किया।

प्रदर्शनी में धनबाद नगर निगम क्षेत्र महिला समूहों द्वारा तैयार उड़ान सैनिटरी पैड की जबरदस्त मांग थी। इस सैनिटरी पैड की क्वालिटी बेहतर एवं इसमें जेल लगे होने के कारण मांग में तेजी थी। प्रदर्शनी में उनके प्रोडेक्ट को काफी सराहा गया। साथ ही धनबाद क्षेत्र आए दूसरे महिला समूह के स्टॉल पर रद्दी कागज से बने पेपर फ्रेम, फोटो फ्रेम आदि रखे गए थे। संजीवनी शक्ति सेवा समिति, धुर्वा के स्टॉल पर जूट का बैग, ज्वेलरी, सिल्क आइटम आदि रखे गए थे। प्रदर्शनी में सबसे ज्यादा ध्यान झारखंडी व्यंजनों के स्टॉल पर दिखा। यह स्टॉल झारखंडी एचएम सेवा समिति की ओर से लगाया गया था, जिसका नेतृत्व अरुणा तिर्की कर रहीं थी। इस स्टॉल पर मड़ुआ का केक और मोमो, खुखरी और ओल से बना अचार रखा गया था। समूह की सदस्यों द्वारा स्टॉल पर आने वाले लोगों को यह भी बताया जा रहा था कि मड़ुआ का केक और मोमो कैसे तैयार किया जाता है। प्रदर्शनी में नारी शक्ति गुमला द्वारा लगाए गए स्टॉल पर झारखंडी साग की खूशबू ने सबको आकर्षित किया। इसके अलावा इस स्टाल पर बेंग साग, मुनगा, फुटकल, पुनर्नवा, हेम्चा आदि साग को भी रखा गया था। स्वयं सहायता समूह, जमशेदुपर जुगसलाई समिति के स्टॉल पर झूमर, फ्लावर पॉट, तोरण द्वार आदि तैयार कर रखे गए थे। प्रदर्शनी में सरस्वती समूह, लातेहार की महिलाओं ने अचार, वन औषधि का स्टॉल लगाया था जो लोगों के बीच आकर्षण का केंद्र रहा।

प्रदर्शनी में सबसे ज्यादा झारखंडी व्यंजनों की रही धूम

प्रदर्शनी में विभिन्न नगर निकायों द्वारा प्रदर्शित वस्तुएं।

नई दिल्ली में आयोजित होने वाली प्रदर्शनी में भाग लेंगी झारखंड की महिलाएं

डे-एनयूएलएम अंतर्गत प्रगति मैदान नई दिल्ली में शहरी समृद्धि उत्सव 2021 के तहत स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा निर्मित उत्पादों की प्रदर्शनी तथा स्ट्रीट फूड फेस्टिवल का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन में झारखंड की सभी नगर निकाय क्षेत्र से जुड़ी स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को नई दिल्ली में आयोजित होने वाले इस शहरी समृद्धि उत्सव मेला में अपने उत्पाद के साथ भाग लेंगी। इस बारे में निदेशालय द्वारा यह निर्देशित किया गया है कि बिक्री के लिये सभी सामग्री का कम से कम एक जैसा 25-50 पीस होना अनिवार्य है। सामान की गुणवत्ता को देखते हुए सामान का चयन किया जाएगा, झारखंड राज्य की शहरी क्षेत्र की सभी इच्छुक स्वयं सहायता समूह की महिलाएं निर्धारित तिथि तक अपना उत्पाद नगरीय प्रशासन निदेशालय के जुपमी बिल्डिंग, धुर्वा, रांची स्थित कार्यालय में प्रदर्शित कर सकती हैं।

'आजादी का अमृत महोत्सव' के तहत राज्य भर के नगर निकायों में हुए विविध कार्यक्रम

75 आज़ादी का अमृत महोत्सव

देश की आजादी के 75 साल पूर्ण होने के उपलक्ष्य में देशभर में जारी 'आज़ादी का अमृत महोत्सव' समारोह की कड़ी में अक्टूबर माह में भी दिनांक 01.10.2021 से दिनांक 03.10.2021 तक झारखण्ड के विभिन्न नगर निकायों में विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

इस दौरान दिनांक 01.10.2021 को विभिन्न नगर निकायों में PMAY(U) लाभुकों के बीच फलदार पौधों का वितरण किया गया तथा लाभुकों के आवास के सामने वृक्षारोपण भी किया गया। इसके साथ ही 'आवास पर संवाद' कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। दिनांक 02.10.2021 को प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के लाभुकों के निर्मित आवासों के आसपास स्वच्छता अभियान चलाया गया। दिनांक 03.10.2021 को विभिन्न नगर निकायों में PMAY(U) के लाभुकों के लिए खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया व उनमें भाग लेने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया गया।

इनमें प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत सर्वश्रेष्ठ आवास का निर्माण करने वाले लाभुक भी शामिल थे। इसी प्रकार पीएम स्वनिधि योजना के तहत स्ट्रीट वेंडर्स के लिए प्रशिक्षण सत्र 'स्वनिधि से समृद्धि' कैंप का आयोजन किया गया। इसके अलावा डे-एनयूएलएम अंतर्गत 'दिनांक 02.10.2021 को स्वयं सहायता समूहों (SHGs) के द्वारा स्वनिर्मित सामानों की प्रदर्शनी लगाई गई।

दिनांक 01.10.2021 को चाईबासा नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत PMAY(U) आवास के समक्ष वृक्षारोपण किया गया।

PMAY(U) योजना अंतर्गत हुए कई कार्यक्रम

दिनांक 01.10.2021 को राँची, हजारीबाग, धनबाद व चास नगर निगम के अलावा झुमरीतिलैया, दुमका, साहिबगंज व चाईबासा नगर परिषद तथा धनवार व बड़की सरैया नगर पंचायत सहित सभी नगर निकाय क्षेत्र अंतर्गत PMAY(U) लाभुकों के बीच फलदार पौधों का वितरण किया गया। साथ ही उनके आवास के सामने वृक्षारोपण भी किया गया। मेदिनीनगर नगर निगम व दुमका नगर परिषद में 'आवास पर संवाद' कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। दिनांक 02.10.2021 को गुमला नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों की कड़ी में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के लाभुकों के निर्मित आवासों के आसपास स्वच्छता अभियान चलाया गया। दिनांक 03.10.2021 को PMAY(U) के तहत आदित्यपुर नगर निगम व धनवार नगर पंचायत क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। बुंडू नगर पंचायत क्षेत्र में रंगोली एवं कबड्डी प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसके साथ ही सभी प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया गया, जिनमें प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत सर्वश्रेष्ठ आवास का निर्माण करने वाले लाभुक भी सम्मिलित थे।

नगर निकायों में 'आज़ादी का अमृत महोत्सव' के तहत हुए विभिन्न कार्यक्रमों की कुछ झलकियाँ

डे-एनयूएलएम एवं पीएम स्वनिधि योजना अंतर्गत भी हुए कार्यक्रम

'आज़ादी का अमृत महोत्सव' समारोह के तहत 'पीएम स्वनिधि योजना' अंतर्गत दिनांक 01.10.2021 को रांची के अटल स्मृति वेंडर मार्केट मैं भी डिजिटल अभियान' को आगे बढ़ाते हुए स्ट्रीट वेंडर्स के लिए प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया। 'मै भी डिजिटल अभियान' का उदेश्य स्ट्रीट वेंडर्स (पथ दुकानदारों व विक्रेताओं) को डिजिटल भुगतान प्रणाली के उपयोग हेतु उन्हें प्रशिक्षित कर डिजिटल रूप से भुगतान स्वीकार करने में सक्षम बनाना है। इसी कड़ी में जमशेदपुर अक्षेस में 'स्वनिधि से समृद्धि' कैंप का आयोजन किया गया। कैंप के माध्यम से स्ट्रीट वेंडर्स को डिजिटल लेन-देन से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। साथ ही उन्हें क्यूआर कोड प्रदान किया गया। इस दौरान उनका सोशियो-इकोनॉमिक प्रोफाइलिंग भी किया गया। इसके अलावा क्षेत्र स्तरीय संघों (ALF) का गठन भी किया गया। दिनांक 02.10.2021 को मानगो नगर निगम में स्वयं सहायता समूहों (SHGs) के द्वारा स्वनिर्मित सामानों की प्रदर्शनी लगाई गई। साथ ही कार्यक्रम में लोगों से ऑनलाइन फीडबैक भी लिया गया। समूह के सदस्यों द्वारा अपशिष्ट या बेकार पड़े सामानों से कई तरह के आकर्षक खिलौना, घरेलू सजावट के सामान, पोर्ट एवं अन्य सामानों का निर्माण किया जाता है। इस दौरान आदित्यपुर नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा घर के वेस्ट मटेरियल से सजावट के लिए बनाए गए सामानों की एक प्रदर्शनी भी लगाई गई।

लखनऊ में आयोजित आजादी@75 समारोह में भी 'सोनचिरैया गुजिया' की महक

एक्सपो समारोह में मंचासीन माननीय प्रधानमंत्री, केन्द्रीय मंत्रीगण, यूपी के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ व अन्य गणमाण्य लोग।

आवासन एवं शहरी मामलों के मंत्रालय (MoHUA), भारत सरकार द्वारा 05 से 07 अक्टूबर 2021 तक 'आजादी का अमृत महोत्सव' के तहत उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में 'आजादी@75 - न्यू अर्बन इंडिया : ट्रांसफॉर्मिंग अर्बन लैंडस्केप' सम्मेलन-सह-एक्सपो समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह का उद्घाटन दिनांक 05.10.2021 को माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने किया। माननीय प्रधानमंत्री ने एक्सपो में लगाई गई प्रदर्शनियों का भी अवलोकन किया। इस समारोह में माननीय केंद्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह, आवासन एवं शहरी मामलों के मंत्री श्री हरदीप सिंह पुरी व उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत कई गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

एक्सपो समारोह में झारखण्ड से नगरीय प्रशासन निदेशालय, नगर विकास एवं आवास विभाग, झारखंड सरकार की निदेशक विजया जाधव ने प्रतिनिधित्व करते हुए पीएमएवाई (शहरी), डे-एनयूएलएम एवं पीएम स्वनिधि योजना के स्टेट टीम के साथ अपनी शानदार तरीके से उपस्थिति दर्ज कराई जो काफी सराहनीय रही। एक्सपो में लगाई जा रही प्रदर्शनियों में झारखण्ड के लाइट हाउस प्रोजेक्ट (LHP), रांची एवं कालिरेखा कुष्ठ आश्रम, देवघर के प्रोजेक्ट मॉडल को भी शामिल किया गया। इसके अलावा पीएम स्वनिधि एवं डे-एनयूएलएम के SM&ID घटक के तहत भी स्टॉल लगाए गए।

75 आज़ादी का अमृत महोत्सव

माननीय प्रधानमंत्री ने अपने उद्घाटन संबोधन में कहा कि PMAY(U) के तहत देश में 3 करोड़ घरों के निर्माण की मंजूरी दी जा चुकी है। 50 लाख से ज्यादा घर बन भी चुके हैं। उन्होंने कहा कि मेरे जो साथी, झुग्गी झोपड़ी में जिंदगी जीते थे, उनके पास पक्की छत नहीं थी। ऐसे तीन करोड़ परिवारों को लखपति बनने का अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि मुझे इस बात की खुशी है कि देश में इस योजना के तहत लाभुकों को जो घर दिए जा रहे हैं, उनमें 80 प्रतिशत से ज्यादा घरों पर मालिकाना हक महिलाओं का है या फिर वे इसकी ज्वाइंट ओनर हैं।

आजादी@75 समारोह में मंच पर उपस्थित नगरीय प्रशासन निदेशालय की निदेशक विजया जाधव व गणमाण्य लोग।

डीएमए की निदेशक विजया जाधव ने कार्यक्रम में रखे अपने विचार

डीएमए की निदेशक विजया जाधव ने दूसरे दिन दिनांक 06 अक्तूबर 2021 के पहले सत्र के दौरान ''एक डिजिटल अर्थव्यवस्था व NULM (राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन) में आजीविका की सुविधा प्रदान करने वाले मार्केट लीडर्स के साथ साझेदारी'' विषय पर चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि झारखण्ड में 'सोनचिरैया ब्रांड' के तहत राँची नगर निकाय क्षेत्र अंतर्गत स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा तीज पर्व के अवसर पर तैयार की गई व झारखण्ड सरकार की तरफ से पहले उत्पाद के रूप में लांच की गई 'सोनचिरैया गुजिया' के उत्पादन, ब्रांडिंग व उसकी मार्केटिंग की पूरी प्रक्रिया की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस राह में हमें कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ा। उन्होंने इस बारे में अपने अनुभव को सांझा करते हुए कहा कि कोविड के चलते स्वयं सहायता समूहों की गतिविधियां भी काफी प्रभावित हुई थीं। स्थिति में थोड़ा बदलाव होने पर हम सबने इस बात को महसूस किया कि कोविड के दौर में आज पूरा विश्व वैश्विक बाजार के एक मंच पर आ गया है। ऐसे में हमने देखा कि हमारे पास एक अच्छा अवसर है, जिसका फायदा हमें उठाना चाहिए। इस काम को करने के लिए राँची नगर निकाय क्षेत्र की स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने गुजिया का उत्पादन कर उसे बिक्री के लिए उपलब्ध कराने में अपनी अभिरूचि दिखाई। हालांकि यह सब करना इतना आसान भी नहीं था, क्योंकि ये महिलाएं जिस राज्य (झारखण्ड) से आती हैं, वहां महिलाओं की साक्षरता दर काफी कम है। यहां की ज्यादातर महिलाएं आज के जमाने के मुताबिक डिजिटली व तकनीकी रूप से उतनी सक्षम नहीं हैं कि जितने की आज जरूरत है। वे जिस इलाके से आती हैं वे डिजिटल रूप से भी सुलभ क्षेत्रों में शामिल नहीं हैं। ऐसे में उन्हें किसी भी उत्पाद की बिक्री के लिए कई तरह की मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। उदाहरण के लिए वे पूरी सप्लाई चेन मैनेजमेंट को समझने में सक्षम नहीं हैं। वस्तु स्थिति यह है कि वे केवल वस्तुओं का उत्पादन कर सकती हैं। इसलिए भविष्य की चुनौतियों का मुकाबला करने व उन्हें प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए हमें स्वयं सहायता समूह की इन महिलाओं को आर्थिक रूप से भी साक्षर बनाना होगा। इसलिए हमें इन सभी पहलूओं पर गौर कर इनका हल निकालना होगा। स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा तैयार किसी भी उत्पाद को बाजार में बिक्री के लिए पेश किए जाने से पहले पेश आने वाली समस्याओं को रेखांकित करते हुए डीएमए निदेशक ने कहा कि सबसे बड़ी दिक्कत यह है कि इन स्वयं सहायता समूह के एरिया लेवल फेडरेशन (ALF) का पिकअप प्वाइंट (संग्रह केंद्र) सिर्फ यूएलबी (नगर निकाय) ही हैं। दूसरी दिक्कत पैकेजिंग, ब्रांडिंग और सोर्टिंग (Sorting) की है, क्योंकि उनके उत्पाद को देश के सबसे दूर के हिस्से तक पहुंचाना भी एक चुनौती है। जहां तक 'सोनचिरैया गुजिया' के उत्पादन व बिक्री की बात है तो उनके लिए यह समझना भी आवश्यक था कि वे समझ सकें कि एक उत्पाद कैसा होना चाहिए, न केवल उत्पादन, बल्कि उसकी पर्याप्त मात्रा भी होना चाहिए। ऐसे में हमें वैश्विक और प्रतिस्पर्धी बाजार को अन्य उत्पादक के साथ चिह्नित करना होगा। तीसरी दिक्कत वित्तीय समावेशन (Financial Inclusion) की है। इन सभी समस्याओं को देखते हुए सभी औपचारिकताओं को पूरा करने के साथ-साथ इन महिलाओं को हमने तकनीकी रूप से प्रशिक्षण देकर सक्षम बनाया'।

PMAY(U) योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए एक और सार्थक कदम

नगर प्रबंधकों एवं CLTCs के क्षमता वर्धन हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

कार्यक्रम का उद्घाटन करतीं नगरीय प्रशासन निदेशालय (DMA) की निदेशक विजया जाधव।

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत राज्य के विभिन्न नगर निकायों में नगर स्तरीय तकनीकी कोषांग (CLTCs) का गठन कर विभिन्न पदों पर कार्यरत तकनीकी विशेषज्ञों द्वारा योजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है। साथ ही साथ कुछ नगर निकायों में नगर प्रबंधकों (City Managers) द्वारा भी PMA (व) का क्रियान्वयन किया जा रहा है। योजना के सफल क्रियान्वयन हेतु उक्त कार्यरत तकनीकी विशेषज्ञों व नगर प्रबंधकों के क्षमता वर्धन हेतु अक्तूबर माह में राजधानी रांची के होटल रॉयल में तीन अलग-अलग बैचों में ''तीन दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम'' का आयोजन किया गया। प्रथम बैच के प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 18.10.2021 से 20.10.2021 तक, दूसरे बैच के प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 25.10.2021 से 27.10.2021 तक व तीसरे बैच के प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 28.10.2021 से 30.10.2021 तक किया गया।

प्रथम बैच के ''तीन दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम'' कार्यक्रम का उद्घाटन दिनांक 18.10.2021 को नगरीय प्रशासन निदेशालय (DMA) की निदेशक विजया जाधव ने द्वीप प्रज्जवलित कर किया। इस मौके पर DMA के सहायक निदेशक श्री शैलेश प्रियदर्शी, PMAY(U) कोषांग के विशेषज्ञ एवं PMAY(U) के राज्य स्तरीय टीम लीडर श्री राजन कुमार, उटअ के विशेषज्ञ डा. दिनेश कुमार द्विवेदी, श्री मुकेश कुमार झा व श्री फिरोज आलम के अलावा कार्यक्रम की प्रशिक्षक श्रीमती उषा किरण जारिका, श्रीमती कल्याणी पंपना आदि भी उपस्थित थे।

इस मौके पर DMA निदेशक विजया जाधव ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत कुल चार घटकों के तहत आवासों का निर्माण किया जाता है। वर्तमान समय में झारखंड के सभी नगर निकायों में घटक चार के तहत आवासों का निर्माण तेजी से जारी है। इसके अलावा कुछ अन्य नगर निकायों में प्रथम घटक व तृतीय घटक के तहत निर्माण कार्य चल रहा है, परन्तु कहीं-कहीं जमीन चिन्हित नहीं होने के कारण निर्माण कार्य को धरातल पर उतराने में कुछ तकनीकी समस्याएं सामने आ रही हैं। हालांकि इस बारे में सभी नगर निकायों को स्पष्ट तौर पर यह निर्देश दिया गया है कि आवास निर्माण के लिए जमीन चिन्हित कराते हुए DPR तैयार कर उसे जल्द से जल्द निदेशालय को भेजा जाए। उन्होंने कहा कि इस तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य राज्य के नगर निकायों में कार्यरत तकनीकी विशेषज्ञों (CLTCs) एवं नगर प्रबंधकों (City Managers) का क्षमता वर्धन कर उन्हें दक्षतापूर्ण बनाना है ताकि PMAY (U) का सफल क्रियान्वयन किया जा सके। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम अलग-अलग बैचों में आगे भी जारी रहेगा। उन्होंने सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण कार्यक्रम का ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाने का आह्वान करते हुए उन्हें अपनी ओर से हार्दिक शुभकामनाएं भी दीं।

प्रशिक्षणार्थियों को दी गई कई अहम जानकारी

प्रशिक्षण कार्यक्रम के पहले दिन प्रशिक्षणार्थियों को PMAY(U) के घटक-3 किफायती आवास परियोजना के अंतर्गत भूमि की पहचान, भूमि सीमांकन और हस्तांतरण प्रक्रिया, डीपीआर तैयार करना, दस्तावेजीकरण, लाभार्थियों का चयन एवं आवंटन प्रक्रिया, बैंक लिंकेज की भूमिका, आवासीय कल्याण संघ का गठन और सोशल मोबिलाइजेशन जैसे विभिन्न विषयों से संबंधित जानकारी दी गयी। कार्यक्रम के दूसरे दिन प्रशिक्षणार्थियों को तकनीकी दस्तावेजीकरण के विभिन्न विषयों जैसे एमआईएस (MIS), अनुलग्नक प्रविष्टि, मासिक प्रगति रिपोर्ट एवं लाभुकों के डाटा की पोर्टल पर एंट्री व सुधार आदि से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं के बारे में जानकारियां दी गईं। प्रशिक्षण कार्यक्रम के तीसरे व अंतिम दिन क्षेत्र भ्रमण के तहत प्रशिक्षणार्थियों को राजधानी रांची में निर्मित बन्हौरा आवासीय परियोजना एवं धुर्वा में निर्माणाधीन लाइट हाउस प्रोजेक्ट (LHP) के परियोजना स्थल का भ्रमण कराया गया। इसके साथ ही प्रशिक्षणार्थियों को जियो टैगिंग की विभिन्न प्रक्रियाओं, PFMS & DBT सिस्टम से संबंधित जानकारी भी दी गई। इसके उपरांत टेस्ट एवं परिचर्चा सत्र का भी आयोजन किया गया।

प्रथम बैच के प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन समारोह के मौके पर DMA के पदाधिकारी व प्रशिक्षणार्थी।

मेंटल हेल्थ पर भी हुई गंभीर चर्चा

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रसिद्ध मनोचिकित्सक डॉ. सिद्धार्थ सिन्हा द्वारा प्रशिक्षार्थियों को मानव स्वास्थ्य के लिए 'साइलेंट किलर' अर्थात तनाव से संबंधित अहम जानकारी दी गई। उन्होंने तनाव प्रबंधन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ''मेंटल हेल्थ एक पुराना विषय रहा है, लेकिन अब कोरोना के बाद यह और ज्यादा घातक हो गया है। अब इसे गंभीरता से लेते हुए इस पर बात करना जरूरी हो गया है। कोरोना ने कई तरह के मानसिक रोगों को जन्म दिया है। आज के दौर में हर शख्स अपनी जिंदगी में स्ट्रेस से गुजरता है। इस दुनिया में हर व्यक्ति किसी न किसी प्रकार के तनाव से ग्रसित है, हालांकि इनके तनाव की वजह एक समान नहीं है। कोई अपने बिजनेस को लेकर परेशान हैं तो कोई अपने फ्यूचर को लेकर, किसी को दूसरों के व्यवहार से तो कोई अपने अनुसार सब कुछ न होने की वजह से तो कोई अपने साथ हो रहे भेदभाव अथवा अत्याचार से तनाव में है। इन सब के साथ भौतिकवादी जीवन व तकनीकी प्रगति ने भी आज मानव जीवन को तनावपूर्ण वातावरण बनाने में अपनी भूमिका निभाई है। स्ट्रेस को आजकल एक कॉमन परेशानी के रूप में देखा जाता है और यही सबसे बड़ी गलती है। किसी भी तरह की हेल्थ प्रॉब्लम को इग्नौर नहीं करना है, अगर तनाव संबंधी कोई भी लक्षण नजर आता है तो तत्काल डॉक्टर से मिलना चाहिए। हम इसे हल्के में बिल्कुल नहीं ले सकते। उन्होंने इसी कड़ी में आगे तनाव की मूल जड़, प्रकार, कारण एवं तनाव प्रबंधन से संबंधित उपाय भी बताए। साथ ही कुछ सुझाव भी दिए। प्रशिक्षणोपरांत सभी प्रशिक्षार्थियों को प्रमाण-पत्र वितरित किया गया।

श्रमिकों के लिए वरदान साबित हो रही मुख्यमंत्री श्रमिक योजना

स्लम बस्तियों में रहनेवाले श्रमिकों को भी योजना से जोड़ा जा रहा है

राज्य के श्रमिकों के हित में शुरू की गई मुख्यमंत्री श्रमिक योजना (MSY) अथवा 'शहरी रोजगार मंजूरी फॉर कामगार' झारखण्ड सरकार की एक अति महत्वाकांक्षी योजना है, जिससे बड़ी संख्या में राज्य के श्रमिक लाभान्वित हो रहे हैं। एक तरफ जहां इस योजना का लाभ दिलाने के लिए नगर निकायों के अधिकारी जोर-शोर से प्रयासरत हैं, वहीं इस क्रम में जगह-जगह पर कैंप लगाकर भी उन्हें जागरूक किया जा रहा है। साथ ही साथ उन्हें इस योजना से जोड़ा भी जा रहा है। इस कड़ी में मानगो नगर निगम की ओर से विगत 9 अक्तूबर को मुख्यमंत्री श्रमिक योजना के तहत लगाए गए कैंप में 55 लोगों ने आवेदन भरा।

गिरिडीह क्षेत्र अंतर्गत तालाब की सफाई करते जॉब कार्डधारी श्रमिक।

निगम के कार्यपालक पदाधिकारी दीपक सहाय के निर्देशानुसार यह शिविर पारडीह चौक स्कूल के पास लगाया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री श्रमिक योजना की जानकारी देते हुए लोगों को जागरूक किया गया। इसके साथ ही मुख्यमंत्री श्रमिक योजना के तहत 55 श्रमिकों से आवेदन-पत्र भरवाया गया। निगम क्षेत्र में खासकर स्लम बस्तियों में रहने वाले लोगों को मुख्यमंत्री श्रमिक योजना का लाभ देने के उद्देश्य से आए दिन कैंप लगाकर आवेदन फार्म भरे जा रहे हैं। योग्य लाभुक को योजना का लाभ देने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही जॉब कार्ड का वितरण भी किया जा रहा है। इसी प्रकार पलामू जिले के हरिहरगंज नगर पंचायत क्षेत्र अंतर्गत दुर्गा पूजा के अवसर पर मुख्यमंत्री श्रमिक योजना के तहत निबंधित 84 जॉब कार्डधारी श्रमिकों को विशेष सफाई अभियान में साफ-सफाई के कार्य में लगाया गया। इनमें से चार-चार श्रमिकों के कुल 21 समूह बनाकर इस अभियान को संचालित किया गया। इसी कड़ी में आगामी छठ पर्व को देखते हुए अक्तूबर माह के दूसरे सप्ताह में गिरिडीह शहर में तालाब की सफाई के कार्य में मुख्यमंत्री श्रमिक योजना के जॉब कार्डधारी श्रमिकों को काम पर लगाया गया।

PMAY (U) ने जीवन को किया आसान, बढ़ाया मान-सम्मान

यह कहानी है मधुपुर नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड नंबर 23 की निवासी 35 वर्षीय रीना कुमारी की जो एक अत्यंत गरीब परिवार की महिला है। वह मधुपुर में ही एक नर्सरी चलाती हैं। उसके पति भी इस नर्सरी के संचालन में उसकी मदद करते हैं। उनका पूर्व का मकान मिट्टी का बना हुआ था, जिसमें उनके परिवार के बढ़ने पर उन्हें काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। बारिश के दिनों में यह समस्या और गंभीर हो जाती थी जब उनके घर की छत से जगह-जगह से पानी टपकता रहता था।

रीना की ठहरी सी जिंदगी में उस समय एक सकारात्मक बदलाव आना शुरू हुआ जब उसके नाम का चयन वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के एक लाभार्थी के रूप में हो गया। इस योजना के माध्यम से ही उसके परिवार का अपना 'पक्का मकान' का बड़ा सपना साकार हो सका है। आज अपना पक्का मकान होने के परिणामस्वरूप वह अपने पूरे परिवार के साथ सुकून से इस घर में रह रही है। जीवन में सुकून व शांति होने के कारण अब वह अपने नर्सरी का संचालन भी काफी अच्छे तरीके से कर रही है। साथ ही उसका कारोबार भी काफी फल-फूल रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) की छठी वर्षगांठ के अवसर पर लाभार्थियों को दिए गए पौधे रीना की नर्सरी द्वारा आपूर्ति की गई थी। रीना के परिवार के सभी सदस्यों ने अपना 'पक्का मकान' के सपने को पूरा करने के लिए केंद्र व राज्य सरकार तथा नगर निकाय के सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए हृदय से उनका आभार व्यक्त किया है।

लाभुक रीना कुमारी का पूर्व का मकान (ऊपर) व PMAY (U) के तहत मिला पक्का मकान।

योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने के लिए उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल का भ्रमण

लापरवाही बर्दाश्त नहीं, योजना की लक्ष्य प्राप्ति के दिए निर्देश

चिरकुंडा नगर पंचरायत क्षेत्र के वार्ड सं० 16 में खाली पडी जमीन का निरीक्षण करते **DMA** के पदाधिकारी।

उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल के अंतर्गत धनबाद, चास, फुसरो-चिरकुंडा नगर निकाय क्षेत्र में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) व दीनदयाल अंत्योदय योज़ना-राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (DAY-NULM) के क्रियान्वयन का भौतिक निरीक्षण व समीक्षा किए जाने हेतु नगरीय प्रशासन निदेशालय (डीएमए) के विभिन्न पदाधिकारियों की तीन अलग-अलग टीम दिनांक 21.10.2021 से 23.10.2021 तक तीन दिवसीय भ्रमण पर गई। इस क्रम में भ्रमण के पहले दिन दिनांक 21-10-2021 को डीएमए की टीम ने धनबाद नगर निकाय क्षेत्र में संचालित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा किए जाने हेतु धनबाद उपायुक्त की अध्यक्षता में जिला स्तरीय सलाहकार समिति (DLCC) की बैठक में हिस्सा लिया। बैठक में खासतौर पर पीएम स्वनिधि एवं डे-एनयूएलएम योजना की समीक्षा की गई। बैठक के दौरान डे-एनयूएलएम योजना अंतर्गत स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) के लिए बैंक लिंकेज व एसईपी-1 (स्वरोजगार कार्यक्रम) के तहत लंबित मामलों पर चर्चा की गई। साथ ही यह तय किया गया कि छठ पूजा के बाद एसएचजी के लिए ऋण वितरण शिविर का आयोजन किया जाएगा। एसईपी-1 के लिए भी आउटरीच कार्यक्रम के दौरान ऋण वितरण किया जाएगा। इस बैठक में उपायुक्त महोदय ने पीएम स्वनिधि के अस्वीकृत आवेदनों पर संबंधित बैंकों द्वारा समीक्षा करने का स्पष्ट निर्देश दिया।

तीन दिवसीय भ्रमण के दूसरे दिन दिनांक 22.10.2021 को डीएमए की निदेशक विजया जाधव, की अध्यक्षता में धनबाद में उत्तरी-छोटानागपुर प्रमंडल के धनबाद नगर निगम, चास नगर निगम, चिरकुंडा नगर परिषद तथा फुसरो नगर परिषद के नगर आयुक्तों व कार्यपालक पदाधिकारियों एवं निकाय की टीम के साथ समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी), दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन, पीएम स्वनिधि व मुख्यमंत्री श्रमिक योजना (MSY) की प्रगति की समीक्षा की गई एवं इन योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने का निर्देश निदेशक महोदया द्वारा दिया गया। समीक्षा बैठक में धनबाद नगर निगम के आयुक्त श्री सत्येन्द्र कुमार, चास नगर निगम के नगर आयुक्त श्री अनिल कुमार सिंह, फुसरो के कार्यपालक पदाधिकारी श्री मनोज कुमार के अलावा नगरीय प्रशासन निदेशालय के सहायक निदेशक श्री शैलेश प्रियदर्शी तथा प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) व राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन की स्टेट टीम के तमाम पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

चास भ्रमण पर गई DMA टीम ने बैंक अधिकारियों के साथ बैठक की

DMA के पदाधिकारियों की टीम चास नगर निकाय क्षेत्र के तीन दिवसीय दौरे के क्रम में चास पहुंची। इस दौरान उन्होंने राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (DAY-NULM) के तहत चल रही विभिन्न कार्यों की समीक्षा की व प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत निर्माणाधीन आवासों का भौतिक निरीक्षण भी किया। इस टीम ने झारखंड क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक के अधिकारियों के साथ बैठक कर विभिन्न स्वयं सहायता समूह के समक्ष पेश आ रही समस्याओ को दूर करने का प्रयास किया। इस टीम का नेतृत्व DMA के सहायक निदेशक श्री योगेंद्र प्रसाद कर रहे थे। उनके साथ इस टीम में DMA के विशेषज्ञ श्री फिरोज आलम, श्री मुकेश कुमार झा, श्री दीपक कुमार व DAY-NULM के स्टेट मिशन मैनेजर श्री निरंजन कुमार शामिल थे।

राशि लेकर आवास नहीं बनाने पर नाराजगी जताई

समीक्षा बैठक के दौरान DMA निदेशक ने प्रधानमंत्री आवास योजना से जुड़े अधिकारियों को धनबाद में पिछले सात सात से प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) की राशि लेकर आवास नहीं बनाने पर नाराजगी जताते हुए ऐसे लोगों पर दबाव देकर आवास बनवाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे लाभुकों को नोटिस देकर कार्रवाई करें। इस दौरान उन्होंने लिंटर लेवल से रूफ लेवल को पूरा करने पर भी जोर दिया। उन्होंने चिरकुंडा के नगर प्रबंधक सह प्रभारी पदाधिकारी को यह निर्देश दिया कि वर्ष 2015 से लेकर 2018 तक आवास योजना की डीपीआर से संबंधित वैसे लाभुक जिनका आवास रद्द कर दिया गया था, उन्हें कार्यालय में बुलाकर इस मामले की समीक्षा करें ताकि योग्य लाभुक को इस योजना के लाभ से वंचित न किया जा सके। डीएमए निदेशक ने ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को भी मुख्यमंत्री श्रमिक योजना (MSY) के तहत नगर निगम से जॉब कार्ड बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने इस बारे में अधिसूचना जारी कर दी है, जिसके मुताबिक अब गांव के लोगों के लिए भी नगर निगम को रोजगार मुहैया कराना होगा।

धनबाद के बरमसिया में बनेगा एक और नया आश्रय गृह

नगरीय प्रशासन निदेशालय (DMA) की टीम के तीन दिवसीय भ्रमण के दौरान धनबाद के बरमसिया में एक और आश्रय गृह (Shelter Home) बनाने का निर्णय लिया गया। इस बात की जानकारी डीएमए निदेशक ने समीक्षा बैठक में दी। इस बारे में धनबाद नगर निगम से इसका प्रस्ताव मांगा गया है। प्रस्ताव मिलते ही विभाग इसके लिए राशि आवंटित करेगी। यहां राजीव आवास को ही आश्रय गृह में तब्दील किया जाएगा।

चिरकुंडा में भूमिहीनों के लिए होगा 180 आवासों का निर्माण

DMA के पदाधिकारियों की टीम ने PMAY (U) योजना के तृतीय घटक के तहत चिरकुंडा नगर पंचायत के वार्ड नं. 16 के सुभाष नगर स्थित तालडंगा हाउसिंग कॉलोनी के पीछे खाली पड़ी जमीन का निरीक्षण कर यहां पर 180 नए आवास के निर्माण के प्रति संतुष्ट जताई। इस टीम में विशेषज्ञ मितु भारती, कल्याणी पंपना व DAY-NULM के स्टेट मिशन मैनेजर अजीत परमहंस शामिल थे।

दिनांक 21.10.2021 को धनबाद में **DLCC** की बैठक में शामिल **DMA** की स्टेट टीम के पदाधिकारीगण।

दिनांक 22.10.2021 को **DMA**निदेशक की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में शामिल **DMA** व अन्य नगर निकायों के पदाधिकारी।

दुकानदारी ठप होने से हो गए थे बेसहारा, पीएम स्वनिधि ने दिया जीने का सहारा

रामगढ़ नगर परिषद क्षेत्र के अरगड्डा मुहल्ला निवासी श्री अरूण साव पीएम स्वनिधि योजना के एक लाभुक हैं। वे सड़क किनारे अपनी रेहड़ी लगाकर कचरी, धुस्का व समोसा बेचते हैं। इसी से हुई कमाई से वे अपने परिवार का जीविकोपार्जन अच्छी तरह से कर रहे थे। मगर पिछले साल कोरोना काल में लगे लंबे लॉकडाउन के दौरान उनकी आर्थिक स्थिति काफी डांवाडोल हो गई थी, जिससे उनकी दुकानदारी ठप पड़ गई थी। उनके द्वारा अपने भविष्य के लिए संजोकर रखी गई सारी जमा-पूंजी भी खत्म हो गई थी।

ऐसे में उन्हें अपने परिवार के जरूरी कार्यों के लिए दैनिक खर्चा जुटाना व अपने परिवार के लिए दो जून की रोटी का जुगाड़ करना भी मुश्किल हो गया था। दिन में किसी तरह कुछ भी खाकर यदि वे और उनके परिवार के लोग संतोष कर लेते थे, तो उन्हें शाम की चिंता सताती रहती थी। ऐसे में उन्हें कुछ भी समझ में नहीं आ रहा था और न ही कहीं से कोई आशा की किरण नजर आ रही थी। उनके समक्ष गंभीर आर्थिक संकट उत्पन्न हो गया था, जिसका समाधान निकालना उनके वश की बात नहीं थी। संकट की ऐसी ही घड़ी में उन्हें नगर परिषद, रामगढ़ के कर्मचारियों के माध्यम से पीएम स्वनिधि योजना की जानकारी मिली, जिसके तहत उन्हें नगर परिषद की मदद से बैंक के माध्यम से 10 हज़ार रुपये का लोन मिला।

लोन की इस रकम से उन्होंने अपनी दुकानदारी फिर से शुरू कर दी, जिससे उनकी जिन्दगी की गाड़ी फिर से पटरी पर आ गई है। आज वे अच्छी तरह से अपने घर-परिवार को चला रहे हैं। इसके लिए उन्होंने केंद्र सरकार व राज्य सरकार तथा नगर परिषद रामगढ़ के सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए उनका ह्रदय से आभार व्यक्त किया है। साथ ही कहा है कि उनके जैसे अन्य सभी स्ट्रीट वेंडर्स को सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना का लाभ उठाना चाहिए ताकि उनका कारोबार आगे बढ़ सके और वे आत्मनिर्भर बन सकें।

अपनी रेहड़ी के साथ पीएम स्वनिधि योजना के लाभुक अरूण साव।

पक्का मकान मिलने से धर्म बाउरी के चेहरे पर भी आई मुस्कान

दूसरों के घरों में साउंड बाक्स और संगीत की मदद से लोगों के चेहरे पर मुस्कान लाने वाले चिरकुंडा नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड नंबर 14 के निवासी धर्म बाउरी, पिता धीरेन बाउरी खुद का अपना पक्का मकान न होने के कारण अपने जीवन से बहुत दुखी रहते थे। दूसरों का पक्का मकान देखकर उन्हें भी यह लगता था कि काश उनका भी ऐसा ही एक मकान होता, जिसमें वे अपने परिवार के साथ पूरे सुकून से खुशी-खुशी अपना जीवन यापन करते। मगर इसके लिए वह सिर्फ सपना ही देख सकते थे।

अपनी अल्प आय से उनके लिए खुद का अपना पक्का मकान बनाना संभव नहीं था। उनके परिवार में कुल पांच सदस्य (वह और उनकी पत्नी, दो पुत्री व एक पुत्र) थे। वे जो कुछ भी कमाते थे, वह बच्चों की शिक्षा और घर के खर्च में चला जाता था। फिर एक दिन उनकी बेटी ने अपने पिता को नगर परिषद द्वारा लगाए जाने वाले प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के विशेष शिविर के बारे में बताया। उन्हें बताया गया कि कैसे सरकार उन जैसे गरीब लोगों के अपने घर के सपने को साकार करने में उनकी मदद कर रही है।

यह बात धरम बाउरी को पता चली तो मानो उनके सपनों को जैसे पंख लग गए। अगली सुबह वह नगर परिषद कार्यालय गए और वहां से PMAY(U) के बारे में पूरी जानकारी एकत्र कर अपना आवेदन जमा किया। इसके बाद करीब 8 महीने के अंतराल में ही उनके सपने ने हकीकत का रूप ले लिया और देखते ही देखते उनका खुद का अपना पक्का घर तैयार हो गया। जिसकी मदद से उन्होंने अपने पक्के घर का निर्माण कर लिया। आज वे अपने परिवार के साथ अपने पक्के घर में जाकर बहुत खुश हैं। इसके लिए उन्होंने केंद्र व राज्य सरकार तथा नगर परिषद के सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए ह्रदय से उनका आभार व्यक्त किया है।

PMAY (U) के लाभुक धर्म बाउरी का पूर्व का कच्चा मकान व सरकार द्वारा मिला पक्का मकान।

'सोनचिरैया ब्रांड' के उत्पादन ने बाजार में दी दस्तक

शुभारंभ

- राजधानी के अटल वेंडर मार्केट में 'सोनचिरैया आउटलेट' का शुभारंभ
- आउटलेट के माध्यम से होगी विभिन्न उत्पादों की ऑफलाइन बिक्री
- फ्लिपकार्ट व अमेजन के प्लेटफार्म पर होगी ऑनलाइन बिक्री

DAY-NULM योजना अंतर्गत राज्यभर के 50 नगर निकायों की स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं के द्वारा निर्मित हस्तकरघा व हथकरघा समेत अन्य दर्जनों उत्पादों को बिक्री हेतु ऑफलाइन व ऑनलाइन प्लेटफार्म उपलब्ध कराने की दिशा में नगरीय प्रशासन निदेशालय, नगर विकास एवं आवास विभाग, झारखण्ड सरकार जोर-शोर से प्रयासरत है। 'सोनचिरैया गुजिया' को मिली सफलता से उत्साहित होते हुए इस दिशा में एक कदम और बढ़ाते हुए नगरीय प्रशासन निदेशालय (DMA) की निदेशक विजया जाधव के नेतृत्व में दिनांक 26 अक्तूबर 2021, दिन मंगलवार को राजधानी राँची के कचहरी रोड स्थित अटल स्मृति वेंडर मार्केट की तीसरी मंजिल में शॉप नंबर 16 एवं 17 में 'सोनचिरैया आउटलेट' का शुभारंभ किया गया।

'सोनचिरैया ब्रांड' के तहत 'सोनचिरैया गुजिया' को झारखण्ड सरकार द्वारा इसी साल तीज पर्व के पावन अवसर पर पहले उत्पाद के रूप में लांच किया गया था। नगरीय प्रशासन निदेशालय (DMA) की निदेशक विजया जाधव के निर्देशन में विभिन्न महिला समूहों द्वारा तैयार 'सोनचिरैया गुजिया' को राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर लोगों ने काफी पसंद किया। सिर्फ राँची शहर में इसके 18 स्टॉल लगाए गए थे। राज्य के विभिन्न नगर निकायों के बाजारों में उचित मूल्य पर बाजार में बिक्री के लिए उपलब्ध विभिन्न प्रकार की 'सोनचिरैया गुजिया' की डिमांड इतनी थी कि उसे पूरा करना भी काफी मुश्किल हो रहा था। इन स्टॉल्स पर सिर्फ एक हफ्ते में 800 किलोग्राम (लगभग 4 लाख रुपये) से भी ज्यादा की गुजिया की बिक्री की गई थी। इससे राज्य की स्वयं सहायता समूह की महिलाओं का मान बढ़ा है, साथ ही उनका उत्साहवर्धन भी हुआ है। निदेशालय की इस पहल की राष्ट्रीय स्तर पर भी काफी सराहना हुई है।

'सोनचिरैया गुजिया' की सफलता की चर्चा दिनांक 5 से 7 अक्तूबर तक उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में आयोजित 'आजादी का अमृत महोत्सव' के तहत 'आजादी@75 - न्यू अर्बन इंडिया : ट्रांसफॉर्मिंग अर्बन लैंडस्केप' सम्मेलन-सह-एक्सपो समारोह में भी हुई। इस सम्मेलन में झारखण्ड सरकार की ओर से प्रतिनिधित्व करते हुए उक्त निदेशक विजया जाधव ने एक डिजिटल अर्थव्यवस्था व NULM में आजीविका की सुविधा प्रदान करने वाले मार्केट लीडर्स के साथ साझेदारी विषय पर चर्चा में भाग लेते हुए 'सोनचिरैया गुजिया' के उत्पादन, ब्रांडिंग व उसकी मार्केटिंग की पूरी प्रक्रिया की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। चर्चा में भाग लेने वाले विशेषज्ञों की टीम ने निदेशालय के इस पहल को प्रशंसनीय व प्रेरणादायक बताया।

'सोनचिरैया आउटलेट' के माध्यम से राज्यभर के नगर निकायों की स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं के द्वारा तैयार जैविक और शुद्ध हस्तशिल्प वस्तुएं व हथकरघा परिधान, जूट व बांस उत्पाद, कृत्रिम आभूषण, झारखंडी खाद्य व्यंजन और दैनिक जीवन में इस्तेमाल होने वाले कई अन्य उपयोगी दर्जनों उत्पादों की बिक्री की जाएगी ताकि आम लोग यहां आकर अपने मनपसंद वस्तुओं की किफायती दर पर खरीददारी कर सकें। यहां ग्राहक इन उत्पादों की ऑफलाइन शॉपिंग के साथ-साथ अपने मनपसंद उत्पादों को अपनी सुविधा के हिसाब से फ्लिपकार्ट व अमेजन के द्वारा ऑनलाइन भी प्राप्त कर सकते हैं।

शहर की साफ-सफाई में मिल रहा है साथ, महिला समूहों ने बढ़ाया अपना हाथ

मुख्यमंत्री श्रमिक योजना (MSY) के तहत बुण्डू नगर पंचायत क्षेत्र में दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (DAY-NULM) योजना के SM&ID घटक अंतर्गत गठित विभिन्न स्वयं सहायता समूह (SHGs) की महिलाएं संगठित होकर आपसी लेन-देन का कार्य तो कर ही रही हैं। इसके साथ-साथ वे शहर की साफ-सफाई में भी बढ़-चढ़कर अपना हाथ बंटा रही हैं। इससे जहां उन्हें इसके बदले खाली समय में मजदूरी मिल रही है, वहीं इससे धीरे-धीरे शहर की तस्वीर भी बदलती जा रही है। इन महिला समूहों में गंगा महिला समिति, प्रतिज्ञा महिला समिति एवं शक्ति महिला समिति की महिलाएं शामिल हैं। इन सभी महिलाओं ने मुख्यमंत्री श्रमिक योजना के तहत भी अपना जॉब कार्ड बनवाया हुआ है तथा वे त्योहारों के मद्देनजर शहर की साफ-सफाई का कार्य कर रही हैं। शहर की साफ-सफाई के साथ ही वे नगर पंचायत क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न तालाबों की साफ-सफाई का कार्य भी कर रही हैं। वर्तमान में उक्त महिलाएं शहर के खुदिया तालाब और मैनेजर तालाब के साफ-सफाई के कार्य में जुटी हुई हैं।

बूंडू नगर पंचायत क्षेत्र में साफ-सफाई के कार्य में जुटी स्वयं सहायता समूह की महिलाएं।

प्रमुख औद्योगिक शहर के रूप में मशहूर : आदित्यपुर नगर निगम

आदित्यपुर झारखंड के सरायकेला-खरसावां जिले में नगर निगम के रूप में स्थापित एक औद्योगिक शहर है। आदित्यपुर शहर का नाम सरायकेला के अंतिम शासक राजा आदित्य प्रताप सिंह देव के नाम पर रखा गया है। वर्तमान में इसकी पहचान एक औद्योगिक शहर के रूप में बन गई है जो जमशेदपुर के प्रसिद्ध शहर से खरकई नदी द्वारा अलग किया गया है, लेकिन यह 'ग्रेटर जमशेदपुर' महानगर क्षेत्र ही हिस्सा है।

आदित्यपुर नगर निगम एक नजर में

कुल जनसंख्या		साक्षरता दर		कुल क्षेत्रफल
1,74,355	पुरूष : 54% महिला : 46%	68%	पुरूष : 60% महिला : 40%	49 वर्ग किलोमीटर

कुल वार्डों की संख्या 35

अध्यक्ष : श्री विनोद कुमार श्रीवास्तव उपाध्यक्ष : श्री अमित सिंह अपर नगर आयुक्त : श्री गिरिजा शंकर प्रसाद

भौगोलिक स्थिति

खरकई नदी इस इलाके की एक प्रमुख नदी है जो जमशेदपुर के आदित्यपुर क्षेत्र से होकर बहती है। यह सुवर्णरेखा नदी की प्रमुख सहायक नदियों में से एक है। निचली खरकई की घाटी काफी चौड़ी है और चावल यहां की प्रमुख प्राथमिक फसल है। खरकई नदी आदित्यपुर को तीन तरफ से (पश्चिम को छोड़कर) घेरे हुए है। आदित्यपुर जमशेदपुर शहर से जुड़ा हुआ है जो एक टोल ब्रिज के माध्यम से कदमा और खरकई नदी पर बने खरकई पुल के माध्यम से बिष्टुपुर से जुड़ती है।

प्रमुख पर्यटन स्थल » आदित्यपुर पार्क, जयप्रकाश उद्यान, सीतारामपुर डैम, प्रभात पार्क, अटल पार्क।

आदित्यपुर भारत के सबसे बड़े औद्योगिक क्षेत्रों में से एक है और एक विशेष आर्थिक क्षेत्र आदित्यपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण (Adityapur Industrial Development Authority) के माध्यम से काम कर रहा है। आदित्यपुर औद्योगिक एस्टेट (33,970 एकड़, 53 वर्ग मील) एक समय एशिया का सबसे बड़ा औद्योगिक केंद्र रहा है। यहां लगभग 1,000 उद्योग स्थित हैं और लगभग 250 निर्माणाधीन हैं। टीजएस, उषा मार्टिन, ओमनी ऑटो एलएमटी और आरएसबी जैसे लगभग 20 बड़े पैमाने के उद्योग यहां पर स्थित हैं। आदित्यपुर में कई कंपनियां स्थित हैं। यह सभी कॉर्पोरेट कंपनियां हैं। आदित्यपुर ऑटो क्लस्टर आदित्यपुर में एक जगह है। यह आदित्यपुर में एक आर्थिक समूह के रूप में स्थापित है। यह शहर का एक प्रमुख आर्थिक स्रोत भी है।

केंद्र एवं राज्य सरकार द्वार संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं में निकाय का प्रदर्शन

आदित्यपुर नगर निकाय क्षेत्र में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत तृतीय घटक के तहत विभिन्न 23 बिल्डिंग ब्लाक्स में कुल 780 आवासों का निर्माण कार्य प्रगति पर है। इनमें से 2 ब्लाक में लिटंर तक का काम पूरा कर लिया गया है। इसी प्रकार चतुर्थ घटक के तहत 2130 आवासों का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसमें में 1487 आवासों का निर्माण पूरा कर लिया गया है। दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन अंतर्गत आदित्यपुर नगर निगम में वर्तमान वित्तीय वर्ष 2021-22 में अभी तक 82 स्वयं सहायता समूह का गठन व 02 क्षेत्रीय स्तरीय संघों (ALF) का गठन किया गया है। इसके अलावा बैंक लिंकेज के तहत 12 स्वयं सहायता समूहों को ऋण उपलब्ध कराया गया है। SEP के तहत स्वरोजगार हेतु कुल 94 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिसमें से अभी तक 3 लोगों को ऋण उपलब्ध कराया गया है। इसके अलावा खाद्य सामग्री बेचने वाले 576 स्ट्रीट फूड वेंडर्स को दो दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। मुख्यमंत्री श्रमिक योजना (MS) अंतर्गत अब तक कुल 1275 लाभुकों का निबंधन किया गया है, जिसमें 1225 लोगों को जॉब कार्ड निर्गत किया गया है एवं मांग के आधार पर 723 लाभुकों को रोजगार उपलब्ध कराया गया है।

आदित्यपुर का सीतारापुर डैम।

संरक्षक
श्री हेमंत सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री

संपादक
विनय कुमार चौबे
सचिव
नगर विकास एवं आवास विभाग

कार्यकारी संपादक
विजया जाधव
निदेशक
नगरीय प्रशासन निदेशालय,
नगर विकास एवं आवास विभाग

यह बुलेटिन विभाग के कार्यों के प्रति जन जागरूकता के उद्देश्य से प्रकाशित है।

देश की आज़ादी के 75 साल पूर्ण होने के उपलक्ष्य में देशभर में मनाए जा रहे 'आज़ादी का अमृत महोत्सव' समारोह की कड़ी में अक्तूबर, 2021 में लखनऊ (यूपी) में 'आज़ादी @75 सम्मेलन-सह-एक्सपो समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें झारखण्ड सरकार की ओर से प्रतिनिधित्व करते हुए DMA की स्टेट टीम ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इसके अलावा इसी माह में 'आज़ादी का अमृत महोत्सव' के तहत झारखण्ड के विभिन्न नगर निकायों में विविध कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया।

नगरीय प्रशासन निदेशालय,
नगर विकास एवं आवास विभाग, झारखंड सरकार